सम्पूर्णता के लिए तीव्र पुरूषार्थ

2012-2013 की अव्यक्त वाणियों का संक्षिप्त सार

सन्तुष्टमणियों का भाग्य, दिल का गीत पाना था सो पा लिया - 30.11.12

बच्चों के याद और प्यार ने बापदादा को इस साकारी दुनिया में अपनी आकर्षण से बुला लिया। बापदादा दिल ही दिल में हर बच्चे के भाग्य को देख हर्षित हो रहे हैं। हर बच्चे के चेहरे में चमकता हुआ भाग्य, मस्तक में लाइट की प्राप्ति की चमक, हाथों में ज्ञान का भण्डार, दिल में दिलाराम, पांव में कदम में पदम दिखाई दे रहा है। ऐसा भाग्य देख हर एक का चेहरा चमक रहा है। ऐसे चेहरे चमकते हुए देख अन्य आत्मायें भी सोचती हैं इन्हों को क्या मिला है। सब चारों ओर के बच्चे सन्तुष्ट स्वरूप दिखाई दे रहे हैं। जैसे बच्चे बाप से दूर नहीं रह सकते तो बाप भी बच्चों से दूर नहीं रह सकता। अब ऐसी कमाल दिखाओ, दुनिया में हलचल और हलचल को अचल बनाने वाले आप निमित्त हो। वह अपना कार्य नहीं छोड़ते तो आप भी अपने को निमित्त समझ वह हलचल और आप अचल, दोनों साथ-साथ पार्ट बजाओ।

मेरे को तेरे में परिवर्तन कर डबल ताजधारी बेफिक्र बादशाह बनो - 15.12.12

सवेरे से लेकर रात तक बेफिक्र बादशाह हो क्योंकि स्वराज्य मिला हुआ है। बेफिकर बादशाह का मस्तक लाइट से चमकता है। बेफिकर बादशाह ही डबल ताजधारी हैं। यह डबल ताज सारे कल्प में सिर्फ आप बच्चों को ही प्राप्त होता है। बेफिकर बनने की सहज विधि है मेरे को तेरे में बदल लो। इसके लिए सहज साधन है अमृतवेले से लेके रात तक फॉलो ब्रह्मा बाप क्योंकि ब्रह्मा बाप भी साकार तन में हर जिम्मेवारी होते बेफिकर बादशाह रहा है। अन्त दिन तक भी कोई आधार बिना लास्ट क्लास कराया। ऐसे हेल्दी और फखुर में वेल्दी। चाहे शरीर का हिसाब किताब है लेकिन स्थिति सदा बेफिकर बादशाह। सुबह को उठते ही चेक करना, सबकॉन्सेस में भी कोई फिकर तो नहीं है? बापदादा भी खुश हो रहे हैं, ऐसे बच्चे सारे कल्प में अब संगम में ही मिलते हैं। सदा एक बात याद रखना - हमें विजयी बनना ही है।

हर एक सन्तुष्टमणि बन सन्तुष्टता की शकित द्वारा समस्याप्रूफ, समाधान स्वरूप बनो - 31.12.12

सन्तुष्टता की शक्ति बहुत श्रेष्ठ है। जहां सन्तुष्टता है वहां और शक्तियां भी आ जाती हैं। सन्तुष्टता माया और प्रकृति की हलचल को परिवर्तन कर देती है। सेवा में, साथियों में सन्तुष्टता की शक्ति वायुमण्डल को परिवर्तन कर लेती है। बापदादा ने देखा कई स्थानों में अभी सहनशक्ति से स्थानों को सदा निर्विघ्न बनाने में आवश्यकता की आवश्यकता है। हर स्थान निर्विघ्न सन्तुष्टता की शक्ति से सम्पन्न हो। आदि से लेके अन्त तक ब्रह्मा बाप ने सन्तुष्टता की शक्ति से हर परिस्थिति पर विजय प्राप्त की। आजकल दुनिया में असन्तुष्टता बढ़नी ही है। बापदादा ने सभी बच्चों को विशेष अमृतवेले सहज वरदान के रूप में वरदान देने का प्लैन बनाया है। बापदादा का विशेष दृढ़ संकल्प वालों को पुरुषार्थ में सहयोग प्राप्त होगा। अगर हर एक सन्तुष्ट रहेगा तो चारों ओर वाह, वाह का गीत बजेगा। बापदादा चक्र लगाये तो हर स्थान पर सन्तुष्टमणियों की चमक दिखाई दे। सन्तुष्ट रहना, सन्तुष्ट करना और सन्तुष्टता की शक्ति से विश्व में भी सन्तुष्टता का वायब्रेशन फैलाना। कोई भी छोटी मोटी प्रॉब्लम आवे तो मन से मधुबन पहुंच जाना, बापदादा बच्चों के मन में एकस्ट्रा खुशी की खुराक भर देंगे। मधुबन में आना अर्थात् अपने में ज्ञान, योग, धारणा और सेवा में कदम को आगे बढ़ाना। ऐसा प्लान बनाओ जो हर जोन में कोई भी पुरुषार्थ में कमजोर नहीं रह जाए। पुरुषार्थ में भी अच्छे ते अच्छे साथी बनके चलें क्योंकि आप निर्विघ्न बनेंगे तो उसका वायुमण्डल विश्व में फैलेगा।

बापदादा की आश - अब ब्रह्मा बाप समान सम्पन्न और सम्पूर्ण बनने का कदम उमंग-उत्साह से तीव्र करो, इसका विशेष प्लैन बनाओ -18.01.13

बापदादा देख रहे हैं सबके मन में ब्रह्मा बाप के स्नेह की झलक दिखाई दे रही है। बाप के मन में भी हर बच्चे के प्रति प्यार की लहरें आ रही हैं। यह प्यार अलौकिक प्यार है। बाप ने हर बच्चे को तीन तख्त के मालिक बनाया है। आप श्रेष्ठ आत्मायें तीन तख्त के मालिक बन कितने रूहानी प्यार में, नशे में रहते हो। अगर चलते-चलते थोड़ा सा माया का वार हो भी जाता है तो भी बाप का प्यार समाप्त नहीं हो सकता और ही बापदादा साथी बच्चों को यही कहते इनको एकस्ट्रा सहयोग प्यार दे करके उड़ाओ। समय को तो सब जानते ही हो। समय कहां जा रहा है। अमृतवेले से लेके रात तक जो भी मन, वचन, कर्म करते हो, उसमें चेक करो बाप का कहना और मेरा करना समान रहा? मुरली रोज की बाप का कहना है। ब्रह्मा बाप भी आहवान कर रहे हैं आओ बच्चे साथ चलें अपने राज्य में। आत्माओं को भी मुक्ति का गेट खुलवाकर मुक्ति का पार्ट बजाने दो। किसको राज्य, किसको मुक्ति। ब्रह्मा बाप यही चाहते हैं, मेरा एक-एक बच्चा मेरे समान सम्पन्न बन जाये। संस्कार मिलन में प्रत्यक्षफल दिखाओ।

बाप के स्नेह में समाते हुए, शक्तियों द्वारा मन को कन्ट्रोल कर सदा मनजीत, जगतजीत बनो - 02.02.13

हर एक बच्चे का चेहरा बापदादा के स्नेह में समाया हुआ है। हर एक बच्चे में तीन वरदान देख रहे हैं। एक बाप के स्वरूप में वर्से का वरदान, दूसरा शिक्षक के रूप में श्रेष्ठ शिक्षा का वरदान, तीसरा गुरु के रूप में वरदानों का वरदान। तीनों ही वरदान का स्वरूप देख हर्षित हो रहे हैं। बाप भी बच्चों के स्नेह में लवलीन है। यह स्नेह अशरीरी बनाने का साधन है। बापदादा हर बच्चे के नयनों में हर एक बच्चे का भाग्य देख रहे हैं। इस एक जन्म में 21 जन्मों का भाग्य बना रहे हैं। यह परमात्म प्यार एक जन्म में इतना श्रेष्ठ बना रहा है, तो आत्मा लवलीन बन, अशरीरी बन अपने घर परमधाम जायेंगे, साथ में अपने राज्य के अधिकारी बन जायेंगे।

आज विशेष वरदान दे रहे हैं - सदा बाप के स्नेह में समाते हुए मनजीत, जगतजीत बनो। मन को शक्तियों द्वारा कन्ट्रोल कर मनजीत बनना ही है। जैसे हाथ पांव को आर्डर में चलाते हो क्योंकि मेरा है, ऐसे मन को भी शक्ति स्वरूप हो चला सकते हैं। इस संगम समय पर वरदाता बाप हर बच्चे की वरदानों से झोली भर देते हैं। सदा खुश रहना और खुशी बांटना क्योंकि आज विश्व की आत्मायें अपने-अपने कार्य करते हुए खुशी के बजाए अनेक सरकमस्टांश में अपने को मजबूर समझती हैं। मजबूर को मजबूत करो। खुशी बांटो। मन के व्यर्थ संकल्पों को समाप्त कर व्यर्थ को विदाई दे दो। व्यर्थ संकल्प भी समय निकाल देते हैं।

कर्मयोगी जीवन में तीव्र पुरुषार्थ द्वारा हर सब्जेक्ट में सदा सन्तुष्ट और खुश रहो, अपने खुशनुमा, दिव्यगुण सम्पन्न चेहरे द्वारा खुशी का अनुभव कराओ - 20.2.13

आज बापदादा अपने खजानों से सम्पन्न बच्चों को देख हर्षित हो रहे हैं। ज्ञान का खजाना बंधनमुक्त, दुःख, अशान्ति मुक्त बनाने वाला है। योग से बहुत शक्तियां प्राप्त हुई हैं। धारणा से बहुत-बहुत गुणों की प्राप्ति हुई है। लेकिन सबसे बड़ा खजाना है संगम समय का खजाना। क्योंकि संगम पर ही बाप शिवबाबा, बाप रूप में भी मिलता, शिक्षक रूप में भी मिलता और सतगुरु रूप में भी मिलता। ऐसा ईश्वरीय स्नेह सारे कल्प में नहीं मिल सकता। बापदादा के दिल से निकलता है वाह बच्चे वाह। हर बच्चा बाप का प्यार बन गया है। अभी बापदादा हर बच्चे को तीव्र पुरुषार्थी देखने चाहते हैं। तीव्र पुरुषार्थी अर्थात् सब सब्जेक्ट में अपने पुरुषार्थ से सन्तुष्ट हों। (क्रमशः)

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को आध्यात्मिक संदेश देने के पश्चात ब्र.कु.जयप्रकाश समूह चित्र में।

वाराणसी (बजरड़ीहा)। आध्यात्मिक कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष अखिलेश मिश्र, महानगर अध्यक्ष डॉ.ओ.पी.सिंह, महापौर पं.रामगोपाल मोहले, ब्र.कु.उषा, ब्र.कु.सुरेन्द्र, ब्र.कु.विमला, ब्र.कु.निर्मला, ब्र.कु.सरोज तथा अन्य।

नासिक (महा.)। राज्य परिवहन निगम के कर्मचारियों को स्वस्थ मन व सुरक्षित यात्रा विषय पर प्रशिक्षण देने के पश्चात ब्र.कु.वासंती व ब्र.कु.जीतू।

नासिक (महा.)। राज्य परिवहन निगम के कर्मचारियों को स्वस्थ मन व सुरक्षित यात्रा विषय पर प्रशिक्षण देने के पश्चात ब्र.कु.वासंती व ब्र.कु.जीतू।

सिद्धपुर। नुगाबेस्टा कम्पनी के मैनेजिंग डायरेक्टर ली हीयुग्की (कोरिया)को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु.विजया।

चिलोडा। ग्रामवासियों को शिव संदेश देने के लिए शांति एक्सप्रेस ट्रेन को रवाना करते हुए सीआरपीएफ के डीआईजी थामस जॉब, बी.सी.ठक्कर, ब्र.कु.तारा, ब्र.कु.धर्मिष्ठा तथा अन्य।